के वि वि आयोग
CERC

सौदामनी

अक्टूबर – दिसम्बर, 2015 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–7

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में वर्ष के दौरान (01.04.2015-30.11.2015) महत्वपूर्ण उपलब्धियां।

उक्त अवधि के दौरान केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग द्वारा निम्नलिखित विनियमों को अधिसूचित किया गया:-

1 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (अन्तरराज्यिक पारेषण प्रभारों और हानियों की शेयरिंग) (तृतीय संशोधन) विनियम, 2015

2 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (अन्तराज्यिक पारेषण में निर्बाध पहुंच)(तृतीय संशोधन) विनियम, 2015

3 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (केन्द्रीय पारेषण कम्पनी को अन्तराज्यिक पारेषण योजना के निष्पादन के लिए विनियामक अनुमोदन प्रदान करना) (प्रथम संशोधन) विनियम, 2015

4 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (अन्तरराज्यिक पारेषण में संयोजकता, दीर्घकालिक पहुंच और मध्यकालिक निर्बाध पहुंच प्रदान करना और संबद्ध मामले) (पांचवा संशोधन) विनियम, 2015

5 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (प्रादेशिक भार पारेषण केन्द्र की फीस और प्रभार तथ संबद्ध मामले) विनियम, 2015

6 समय समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (संयोजकता, दीर्घकालिक पहुंच और मध्यकालिक निर्बाध पहुंच प्रदान करना) विनियम, 2009 के अधीन जारी की गई विस्तृत क्रियाविधि में संशोधन।

7 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (अन्तरराज्यिक पारेषण प्रभारों और हानियों की शेयरिंग) (चतुर्थ संशोधन) विनियम, 2015

8 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत प्रणाली विकास निधि) (प्रथम संशोधन) विनियम, 2015

9 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (नवीकरणीय उर्जा स्रोतों से टैरिफ अवधारण के लिए निबंधन और शर्तें) (तृतीय संशोधन) विनियम, 2015

10 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (परिवर्ती नवीकरणीय उर्जा स्रोतों (पवन एवं सौर) के लिए पूर्वानुमान, अनुसूचीकरण और असंतुलन संचालन से संबंधित फ्रेमवर्क

11 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (विचलन व्यवस्थापन तंत्र और संबद्ध मामले) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 2015

12 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (भारतीय विद्युत ग्रिड कोड) (तृतीय संशोधन) विनियम, 2015

13 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सहायक सेवाएं परिचालन) विनियम, 2015

14 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (नवीरकरणी उर्जा स्रोतों से टैरिफ अवधारण के लिए निबंधन और शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) विनियम, 2015

15 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग टैरिफ की निबंधन और शर्तें (प्रथम संशोधन) विनियम, 2015

राष्ट्रीय एकता दिवस/संविधान दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिज्ञा का आयोजन

स्व. सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस का "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में अनुपालन के लिए केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में दिनांक 30.10.2015 को "राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ" ग्रहण का आयोजन किया गया। उनके जन्म दिवस को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में अनुपालन के लिए आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित समस्त स्टाफ ने सामूहिक रूप से "राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ" ग्रहण की। शपथ ग्रहण करने के पश्चात लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और उनके राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के महत्वपूर्ण कार्यों को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर सभी स्तर के स्टाफ ने राष्ट्रीय एकता के लिए किए गए उनके अमूल्य योगदान पर चर्चा की और उनकी प्रासंगिकता को निर्विवाद रूप से स्वीकार किया। "राष्ट्रीय एकता दिवस" के उपलक्ष्य में आयोजित "रन फॉर यूनिटी" में भी स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया और राष्ट्रीय एकता का संदेश पूर्ण राष्ट्र व समाज में प्रसारित करते हुए सजग नागरिक के रूप में अपनी पहचान को प्रमाणित किया।

इसके अलावा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं जयन्ती के अवसर पर 26, नवंबर 2015 को "संविधान दिवस" के उपलक्ष्य में कार्यालय में सामूहिक प्रतिज्ञा ली गई। इस अवसर पर कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं समस्त स्टाफ ने भाग लिया और प्रतिज्ञा का वाचन किया।

प्रतिज्ञा वाचन करते हुए वरिष्ठ अधिकारीगण एवं समस्त स्टाफ

के वि वि आयोग
CERC

सौदामनी

अक्टूबर – दिसम्बर, 2015 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–7

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (26 अक्तूबर से 31 अक्तूबर, 2015)

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

कार्यालय परिसर में दिनांक 26 अक्तूबर, 2015 से 31 अक्तूबर, 2015 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर के प्रमुख स्थलों पर बैनर प्रदर्शित किए गए। इसके अलावा दिनांक 26.10.2015 को सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से प्रतिज्ञा ली गई। इस अवसर पर आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय, सदस्यगण एवं समस्त वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे एवं प्रतिज्ञा का सामूहिक वाचन किया गया। सप्ताह के दौरान भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं उसे रोजमर्रा की जीवन शैली से दूर करने के लिए एवं स्टाफ सदस्यों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए "सुशासन के लिए सतर्कता उपायों की भूमिका" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। निर्धारित विषय पर प्राप्त सभी निबंधों में सार्वजनिक सेवा प्रदान करने में उत्तरदायित्व की भावना के साथ साथ सामान्य जीवन में पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित किया गया ताकि भ्रष्टाचार के उन्मूलन से संतुलित विकास का सपना पूरा किया जा सके। इस प्रतियोगिता में कई प्रविष्टियां प्राप्त हुई एवं श्रेष्ठ निबंधों को पुरस्कृत किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान प्रतिज्ञा का वाचन करते हुए वरिष्ठ अधिकारीगण एवं स्टाफ सदस्य

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक-27.11.2015

समस्त प्रभागों की तिमाही प्रगति की समीक्षा के लिए आयोग स्तर पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिसंबर, 2015 की समाप्त तिमाही की बैठक आयोग की सचिव एवं अध्यक्ष रा.भा.का. समिति सुश्री शुभा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। समिति के सदस्य सचिव द्वारा किए गए आंतरिक निरीक्षण के दौरान प्रभागों की प्रगति स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। समिति के सदस्यों द्वारा पारस्परिक विचार विमर्श के दौरान यह निर्णय लिया गया कि समस्त प्रभाग अपने रोजमर्रा के कामकाज में हिन्दी के अधिकाधिक इस्तेमाल से अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें एवं निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें। कार्यालय में तिमाही के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों की सराहना करते हुए अध्यक्ष महोदया ने इस तथ्य पर विशेष बल दिया कि आयोजित कार्यक्रमों में नवीनता लाई जाए ताकि अधिक से अधिक स्टाफ की राजभाषा के प्रयोग में रूचि उत्पन्न हो सके और वे अपने रोजमर्रा के कार्य में इसका समुचित इस्तेमाल कर सके। समिति के समस्त सदस्यों ने अपने अपने प्रभाग में राजभाषा में उत्तरोत्तर प्रयोग करने का आश्वासन दिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान विचार विमर्श

हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

हास्य कवि सम्मेलनः कुछ झलकियां

नवोन्मेषी योजनाओं के माध्यम से स्टाफ सदस्यों में राजभाषा के प्रचार प्रसार एवं कार्यक्रमों में विविधता से हिन्दी के प्रति अभिरूचि जागृत करने के उद्देश्य से कार्यालय परिसर में दिनांक 29.12.2015 हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कवि सम्मेलन में प्रख्यात हास्य कवि श्री अरूण जैमिनी व श्री महेन्द्र शर्मा ने अपनी

के वि वि आयोग
CERC

सौदामनी

अक्टूबर – दिसम्बर, 2015 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग खण्ड–I अंक–7

सहज सरल हास्य कविताओं से समस्त स्टाफ को आनंदित एवं आहलादित किया। इसके अलावा कार्यालय में कार्यरत कवि श्री अमित श्रीवास्तव ने भी अपनी हास्य कविताओं का पाठ किया और समस्त स्टाफ को मंत्रमुग्ध कर दिया। हमारे जीवन में हास्य की महत्ता को रेखांकित करता यह हास्य कवि सम्मेलन सार्थक रहा। कर्मियों को एकरसता से उबारने एवं उनमें नवीन ऊर्जा का संचार करते हुए यह हास्य कवि सम्मेलन अत्यंत रूचिकर एवं सफल सिद्ध हुआ। इस हास्य कवि सम्मेलन में सभी स्तर के स्टाफ की सहभागिता के साथ साथ आयोग की सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

कार्यालय में प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन - 09.11.2015

स्टाफ सदस्यों में विविध विषयों से संबंधित सामान्य जानकारी को अद्यतन करने एवं राजभाषा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से दिनांक 09.11.2015 को प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विधि, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, प्रशासन, वित्त, साहित्य, कला, विज्ञान व साहित्य के अलावा हिन्दी कामकाज को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से राजभाषा नीति के प्रश्नों व प्रशासनिक शब्दावली को भी शामिल किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक स्तर के स्टाफ ने भाग लिया और श्रेष्ठ 03 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अधिकारी/कर्मचारीगण

जीवन में योग का महत्व

पुरस्कृत निबन्ध

मानसिक तनावों से जर्जर होता आज का मनुष्य आंतरिक शांति की तलाश में भटक रहा है। उसे ऐसे मार्ग की तलाश है जो उसे आंतरिक शांति के साथ प्रखर बुद्धिवाला और पुरूषार्थी बनाए। भारत के महान महर्षि पतंजलि ने योगाभ्यास को आंतरिक शांति एवं स्वस्था शरीर पाने का उत्तम मार्ग बताया है। इसे उन्होंने "योग दर्शन" का नाम दिया है। योगदर्शन एक मानवतावादी सार्वभौमिक संपूर्ण दर्शन है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि यदि हमें मानव जाति को विनाश से बचाना है तो उपनिषदों एवं वेदांतों की प्राचीन संस्कृति को पुनः स्थापित करना होगा। योगदर्शन हमारी प्राचीन संस्कृति का मूल मंत्र है। भगवतगीता के अध्याय जैसे सांख्ययोग, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञान योग, त्याग योग इत्यादि भी योग की महत्ता का ही प्रमाण है। अनेक धर्म पुस्तिकाओं में भी शांति की प्राप्ति के लिए योग के उपयोग का उल्लेख मिलता है। आइये हम योग के महत्व को विस्तार से समझने का प्रयास करें।

तनाव से मुक्ति–तनाव अपने आप में एक बीमारी है जो और कई रोगों का कारण बनती है। आज की भौतिकवादी क्लेशमय जीवन में योग की सबसे अधिक आवश्यकता है। यह प्रमाणित तथ्य है कि योगमुद्राओं, ध्यान एवं योग में श्वसन की विशेष प्रक्रियाओं से तनाव से मुक्ति मिलती है। योग न केवल हमारे शरीर को सुदृढ़ करता है वरन् हमारा आध्यात्मिक विकास भी करता है।

मन एवं भावनाओं पर योग–जीवन में सकारात्मक विचार का होना आवश्यक है। नकारात्मक या यूं कहिए कि निराशावादी विचार हमें असफलता की ओर ले जाते हैं। योग से निराशा, चिंता, विरोधाभास जैसे नकारात्मक विचार दूर हो जाते हैं।

कार्यालय में योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम

फलस्वरूप हमारी कार्यकुशलता बढ़ती है।

मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता–जीवन में आगे बढ़ने के लिये मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता का होना आवश्यक है। योग एवं ध्यान मन को एकाग्र करने में सहायक होती हैं इससे हमारी स्मरणशक्ति पर भी गुणात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका हमारे व्यक्तित्व एवं सेहत पर सीधा असर पड़ता है।

शारीरिक लाभ–आज की व्यस्त एवं भागदौड़ भरी जिंदगी ने हमें योग से दूर कर

के वि वि आयोग
CERC

सौदामनी

अक्टूबर – दिसम्बर, 2015 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–7

दिया है। अत्यधिक तनाव, प्रदूषण एवं प्रतिस्पर्धा ने हमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थिरोग, मानसिक रोग जैसे अनेकों विकारों से ग्रस्त कर दिया है। नियमित योगाभ्यास हमारी मांसपेशियों को सुगठित एवं शरीर को संतुलन प्रदान करता है। हमारा शरीर लचीला बनता है। प्राणायाम के दौरान गहरी सांस लेने से शरीर को तनाव से मुक्ति मिलती है। कई तरह के योगासान जैसे शीर्षासन, पवनमुक्तासन, हलासन, सूर्य नमस्कार व वज्रासन इत्यादि शरीर से हानिकारक तत्वों को निकालने में मदद करते हैं। अग्निसार, भस्त्रिका कपालभाती इत्यादि प्राणायाम श्वसन की प्रक्रिया को सुचारू बनाते हैं तथा साथ ही रक्त संचार में वृद्धि करते हैं।

आज हर इंसान आगे बढ़ना चाहता है और ऊंचाइयों को छूना चाहता है। यह सब आंतरिक ऊर्जा से ही संभव है। योग हमारी आंतरिक ऊर्जा का विकास करता है। योग से प्राप्त कार्यक्षमता हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाती है। योग का अर्थ है 'जुड़ना' अर्थात् तन एवं मन को मेल। यह हमारी पांचों इन्द्रियों के समन्वय से ही संभव है। प्राणायाम के दौरान नासिका द्वार ली गई शुद्ध वायु से अन्य इंद्रियां जैसे आंख, कान, मुंह एवं त्वचा आपस में मिलकर व्यवस्थित रूप से कार्य करने लगती हैं।

अतः योग एक अमूल्य औषधि है जो बिना मूल्य हमें स्वस्थ शरीर प्रदान करने की क्षमता रखती है। 21 जन को हर वर्ष संपूर्ण विश्व में 'योग दिवस' मनाने का निर्णय जन–जन में योग की महत्ता का प्रचार करने की ओर एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

भुवना
लिपिक एवं टंकक

श्री एम.एम. प्रसाद, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, की सेवानिवृत्ति पर हार्दिक विदाई 31.12.2015

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में कार्यरत श्री एम. एम. प्रसाद 31.12.2015 को सेवानिवृत्त हो गए। श्री प्रसाद ने जनवरी, 2008 से के.वि. वि.आ. में वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में पदभार संभाला। इसके पूर्व उन्होंने मई, 2003 से नवंबर 2007 तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक के रूप में के.वि.वि.आ. में कार्य किया। श्री प्रसाद ने विभिन्न सरकारी विभागों में अलग अलग क्षमताओं में कार्य करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की। विदाई समारोह में सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों ने उनके कार्य की सराहना करते हुए उनके सौम्य एवं विनम्र व्यवहार की प्रशंसा की। श्री एम.एम. प्रसाद को उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

श्री एम.एम. प्रसाद, वरिष्ठ लेखा अधिकारी अपनी सेवानिवृत्ति के अवसर पर प्रसन्न मुखमुद्रा में

श्री विक्रम सिंह उप-प्रमुख (अभियांत्रिकी) को उनकी प्रतिनियुक्ति का कार्यकाल पूरा होने पर हार्दिक विदाई

श्री विक्रम सिंह

वर्ष 2000 बेच के सी.पी.इ.एस संवर्ग अधिकारी श्री विक्रम सिंह 31.08.2010 से 31.08.2015 तक केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में उप–प्रमुख (अभि.) पद पर कार्यरत रहे। आयोग में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की कुल 5 वर्ष 3 महीने की सेवा के बाद वे अपने पेरेन्ट कार्यालय में वापस चले गए। उनके अथक परिश्रम, सहयोग की उदात भावना एवं लेखकीय प्रतिभा के धनी श्री विक्रम सिंह को उनके सफल जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं।

संरक्षक
ए.के.सिंघल
सदस्य

www.cercind.gov.in

संपादक मंडल
शुभा शर्मा, सचिव
पी. राममूर्ति, सहायक सचिव
कमल किशोर, सहायक प्रमुख
राजेन्द्र प्रताप सहगल
राजभाषा अधिकारी

कृपया इस पते पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें :
केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग
भूतल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ,
नई दिल्ली–110001
Email : info@cercind.gov.in

इस पत्रिका में व्यक्त विचार लेखक के अपने है और इससे के.वि.वि.आ. की सहमति अनिवार्य नही है।